भारत सरकार

खान मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. †4132

दिनांक 12.08.2026 को उत्तर देने के लिए

छत्तीसगढ़ के इस्पात क्षेत्र में मूल्य संवर्धन

†4132. श्रीमती रूपकुमारी चौधरीः

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने प्रमुख इस्पात उत्पादक राज्यों, विशेष रूप से छत्तीसगढ़ में डाउनस्ट्रीम इस्पात उद्योगों और मूल्य-संवर्धित इस्पात विनिर्माण को बढ़ावा देने की संभावनाओं का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान परिष्कृत और मूल्य-संवर्धित इस्पात उत्पादों की घरेलू मांग, उत्पादन और आयात का ब्यौरा क्या है तथा उन क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है जहां कच्चे माल की पर्याप्त घरेलू उपलब्धता के बावजूद आयात जारी है;
(ग) क्या सरकार ने मूल्य-संवर्धन और रोजगार बढ़ाने के लिए खनिज उत्पादक क्षेत्रों के निकट डाउनस्ट्रीम इस्पात उद्योगों, स्टील पार्कों और विनिर्माण क्लस्टरों की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए किसी नीति या प्रोत्साहन योजना तैयार की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) सरकार द्वारा निवेश में सुधार लाने, स्थानीय मूल्य-संवर्धन को बढ़ावा देने तथा छत्तीसगढ़ जैसे खनिज उत्पादक राज्यों के लिए इस्पात संसाधनों के आर्थिक लाभों को अधिकतम करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

कोयला और खान राज्य मंत्री
(श्री सतीश चंद्र दुबे)

(क) से (घ): इस्पात एक अविनियमित क्षेत्र है और सरकार घरेलू इस्पात उत्पादन और क्षमता बढ़ाने, आयात निर्भरता को कम करने और निवेश को आकर्षित करने के लिए अनुकूल नीतिगत वातावरण बनाकर एक सुविधा प्रदान कर्ता के रूप में कार्य करती है। छत्तीसगढ़ सहित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने, रोजगार सृजित

करने और आयात निर्भरता को कम करने के लिए सरकार ने कई उपाय किए हैं। इनमें शामिल हैं:

(i) सरकारी परियोजनाओं में इस्पात के घरेलू विनिर्माण और खरीद को बढ़ावा देने के लिए घरेलू स्तर पर निर्मित लौह और इस्पात उत्पाद (डीएमआई एंड एसपी) नीति की अधिसूचना।

(ii) विशिष्ट इस्पात के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम का कार्यान्वयन। इस स्कीम के तहत छत्तीसगढ़ में सात परियोजनाओं सहित 15 राज्यों में 100 कंपनियों की 167 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। जून 2026 तक, इस स्कीम से 26,320 करोड़ रुपये का संचयी निवेश आया है, 3.7 मिलियन टन (एमटी) का संचयी उत्पादन हासिल किया गया है और 14,974 व्यक्तियों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुआ है।

वर्ष 2021-22 और 2025-26 के बीच की अवधि के दौरान, तैयार इस्पात का उत्पादन वर्ष 2021-22 में 113.6 एमटी से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 162.4 एमटी हो गया, जबकि खपत 105.7 एमटी से बढ़कर 164.3 एमटी हो गई और आयात 4.6 एमटी से बढ़कर 6.5 एमटी हो गया, जबकि निर्यात 13.4 एमटी से घटकर 6.6 एमटी हो गया। वित्त वर्ष 2025-26 तक, छत्तीसगढ़ में 442 इस्पात इकाइयां थीं जिसकी संयुक्त स्थापित क्षमता 30 एमटी की थी।

*****